वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2017–2018

प्रस्तुतकर्ता

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

रजि. नं. 144/जयपुर/2008–09 मो० 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय,रूपनगढ़

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड़, रूपनगढ़, अजमेर–305814

E-mail:Info@svmmcollege.com, website:- www.svmmcollege.com

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ सचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर शिक्षा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में 2008–09 में प्रवेश किया था जो आज शोध सुविधायुक्त स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय के रूप में आपके समक्ष उन्नत मस्तक लिए खड़ा हुआ है।

महिला शिक्षा भारतीय सामाजिक व्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। इसका समाज से गहरा संबंध है तथा इससे राष्ट्र की प्रकृति, संस्कृति एवं चरित्र अनुबंधित है। सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ आज की महिलाओं के सामने सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएं, ज्ञान की वृद्धि, उभरती हुई अपेक्षाएँ तथा समाज में होनें वाले परिवर्तन इत्यादि भविष्य में जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। इस दृष्टि से गुणवान सजग एवं अपने उतरदायित्वों के प्रति जागरूक महिलाओं को तैयार करने के लिए महिला शिक्षा की व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाना अनिवार्य है। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य समाज में चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलायें तैयार करना है।

यह मान्यता है कि एक चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए औपचारिक एवं व्यावसायिक शिक्षण निरन्तर प्राप्त करते रहना चाहिए। ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है, संप्रेषण कौशल पुष्ट होता है तथा आचारसंहिता के प्रति वचनबद्धता बढ़ती है। इन्ही सभी मूल्यों को प्रायोगिक रूप में शिक्षा जगत में स्थापित करने हेतु मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा सत्र 2016–2017 से स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ का शुभांरभ किया गया ।

सचिव

डॉ. बी.एल. देवन्दा

बालिका शिक्षा क्षेत्र में नवीन सोपान

अनेक शिक्षण संस्थाओं के बीच एक नवीन रूप, नवीन कलेवर एवं बालिका क्षेत्र में एक नवीन धारणा लेकर प्रारम्भ हुआ है–''स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय''। शिक्षा क्षेत्र के आकाश पर उदीयमान यह नवोदित नक्षत्र बालिका शिक्षा अज्ञान के तिमिर को अपनी कान्ति से दूर करने का अथक प्रयास करता रहेगा। एक शुभ समय में किया गया एक संकल्प, एक शुभ घड़ी में बालिका परोपकार का फूटा अंकुर, जिन महानुभावों के दिल में, वो साधुवाद के पात्र हैं। उनका अभिवन्दन करना कोई अतिश्योक्ति नहीं। इस संस्था के कर्णधारों का उद्येश्य– आप सभी को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, अपितु इस संस्था के माध्यम से हमारा उद्येश्य है– आप सभी को एक कर्त्तव्यनिष्ठ नारी के रूप में, एक देश–भक्त नागरिक के रूप में एवं सर्वोपरि–ईश्वर की सर्वोत्तम कृति स्वरूप एक आदर्श मानव के रूप में शिक्षित करने का। हमारा उद्येश्य है आप सभी में वांच्छित एवं आवश्यक मानवीय गुणों का विकास करना, जिससे कि आप भविष्य में न केवल अपना अपितु अपने माता–पिता, अपने परिवार एवं अपनी इस संस्था का नाम भी रोशन कर सकें।

किसी भी कार्य का शुभारम्भ हम करते हैं उस सर्वशक्तिमान के स्मरण से जिसकी कृपा के बिना कोई कार्य सफल नहीं हो सकता।

''श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वत्यै नमः''।

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा

हृदय राखि कौसलपुर राजा''

हर पल, हर पहर प्रभु का इसी प्रकार स्मरण रहे तो सफलता अवश्य ही चरण चूमेगी इसमें सन्देह नहीं।

12 जुलाई 2016 को रामायण का अखण्ड पाठ पॉच विद्वान पन्डितों द्वारा 24 घण्टे में सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात् अगले दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री बजरंग जी भाखर तथा सचिव डॉ. बाबू लाल जी देवन्दा ने जोड़े सहित हवन में आहुति होम की। भोज प्रसाद से संस्था का उद्घाटन के रूप में प्रभु स्मरण से कार्य सम्पन्न हुआ।

हमारा पुनीत 'गायत्री–मंत्र' वास्तव में 'सविता अर्थात् सूर्य का स्तवन है। हम उस सर्वशक्तिमान सूर्य के सौर–मण्डल के Solar system के एक तुच्छ से अंग हैं। सूर्य हमारे लिये शक्ति का, ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है। उसी के प्रांगण, सूर्य मण्डल के क्रीडांगण में हम आज उसको नमन करते हुये शक्ति और ऊर्जा की प्रार्थना करते हैं। वे अपनी सप्त **ऋषियों** से इन बालिकाओं के तन–मन को सप्तरंगी इन्द्रधनुषों से सजाये व हमारे सयवेत प्रयत्न को सफलता का वरदान है।

महाविद्यालय परिचय

राज्य राजमार्ग सं. 7 पर किशनगढ़ शहर से 25 कि.मी. उत्तर में स्थित रूपनगढ़ कस्बा अपने आप में एक सुपरिचित नाम है जो कि बणी–ठणी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इसी कस्बे में परबतसर रोड़ पर शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए **मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा** स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय संचालित किया जा रहा है जो महिला शिक्षा के क्षेत्र में रूपनगढ़ कस्बे का प्रथम उभरता हुआ महाविद्यालय है।

महाविद्यालय का वर्तमान भवन 31000 वर्गगज क्षेत्र में बना हुआ है जिसमें 17 सुसज्जित कक्षा कक्ष 30x30 साइज के तथा सभी संसाधनों से युक्त गृहविज्ञान एवं भूगोल प्रयोगशालाए, सेमीनार हॉल, विशाल पुस्तकालय,वाचनालय, बुक बैंक एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला मौजूद है। वर्तमान भवन में एक 50X50का 200 सीट्स सुविधा युक्त सेमीनार हॉल उपलब्ध है। महाविद्यालय में खेलकूद कक्ष एवं स्टोर हेतु भी अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है महाविद्यालय परिसर में वॉलीबाल, बैडमिन्टन, खो–खो, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि आडटडोर गेम्स एवं केरम, शतरंज, टेबल टेनिस जैसे इन्डोर गेम्स की सुविधायें मोजूद है। महाविद्यालयका विशाल उद्यान महाविद्यालय की शोभा मे चार चांद लगाता है।

महाविद्यालय का प्रस्तावित भवन

महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है। :–

क्र. सं.	उपस्थित कक्ष	संख्या	उपलब्ध सामग्री
1	कक्षा–कक्ष	10	– प्रत्येक कक्ष मे 40 से 60 सीट्स मय राईटिंग टेबल – लेक्चर स्टेण्ड, विशाल श्यामपट्ट, हवा एवं रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध
2	पुस्तकालय,वाचनालय एवं बुक बैंक	1	– विभिन्न विषयों की कुल 4000 से अधिक पुस्तकें – धूल एवं क्षति से बचाने हेतु 22 काँच की पुस्तकें रखने की बन्द अलमारियाँ – 40 छात्राओं की बैठक क्षमता का वाचनालय – लाइब्रेरी कार्ड की व्यवस्था – बुक बैंक जिसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को 4 विषयों की पुस्तकें अग्रिम राशि जमा (जो की रिफण्डेबल है) देने पर उपलब्ध कराई जाती है।
3	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	1	– कुल 22 कम्प्यूटर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं प्रिन्टर तथा स्केनर सहित उपलब्ध है।
4	गृह विज्ञान प्रयोगशाला	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला जिसमें बाल एवं महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधी समस्त सामग्री उपलब्ध है।
5	भूगोल प्रयोगशाला (स्नातक)	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है ।
6	दृश्य श्रव्य संसाधन		– महाविद्यालय के पास ओ.एच.पी.,एल.सी.डी प्रॉजेक्टर कलर टीवी मय डी.वी.डी एवं कम्प्यूटर मय इन्टरनेट रेडियो एवं एफ.एम उपलब्ध है।
7	प्राचार्य,कार्यालय कक्ष एवं स्टाफ कक्ष	1	– निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पूर्ण सुविधाओ से सुसज्जित है ।
8	खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षिक सामग्री		– महाविद्यालय में क्रिकेट ,बैडमिन्टन , बॉलीवाल, फुटबाल, ऐथेलेटिक्स, शतरंज,कैरम,इत्यादि विभिन्न इन्डोर एवं आउटडोर खेलो की सुविधा मय खेल मैदान के उपलब्ध है साथ ही वाद्ययंत्र में हारमोनियम, तबला एवं ढोलक है ।
9	सेमीनार हॉल	1	– महाविद्यालय में एक सेमीनार हॉल 50 X 50 का 200 सीटों की क्षमता सहित उपलब्ध है ।
10	खेंल मैदान,प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम एवं अन्य सुविधाऐं		– महाविद्यालय के पास पर्याप्त खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम तथा छात्राओं एवं स्टॉफ हेतु अलग से स्वच्छ शौचालय एवं मूत्रालय व्यवस्था सहित उपलब्ध है।

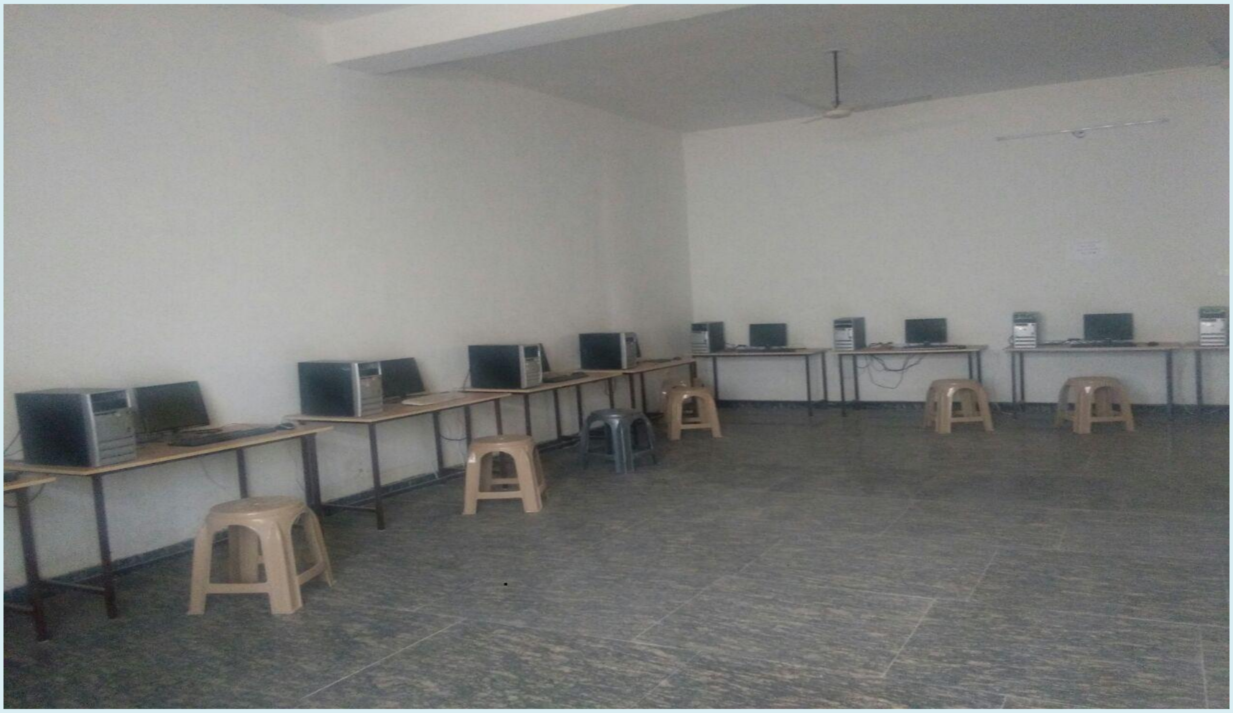

कम्प्यूटर लैब

खेल सामग्री

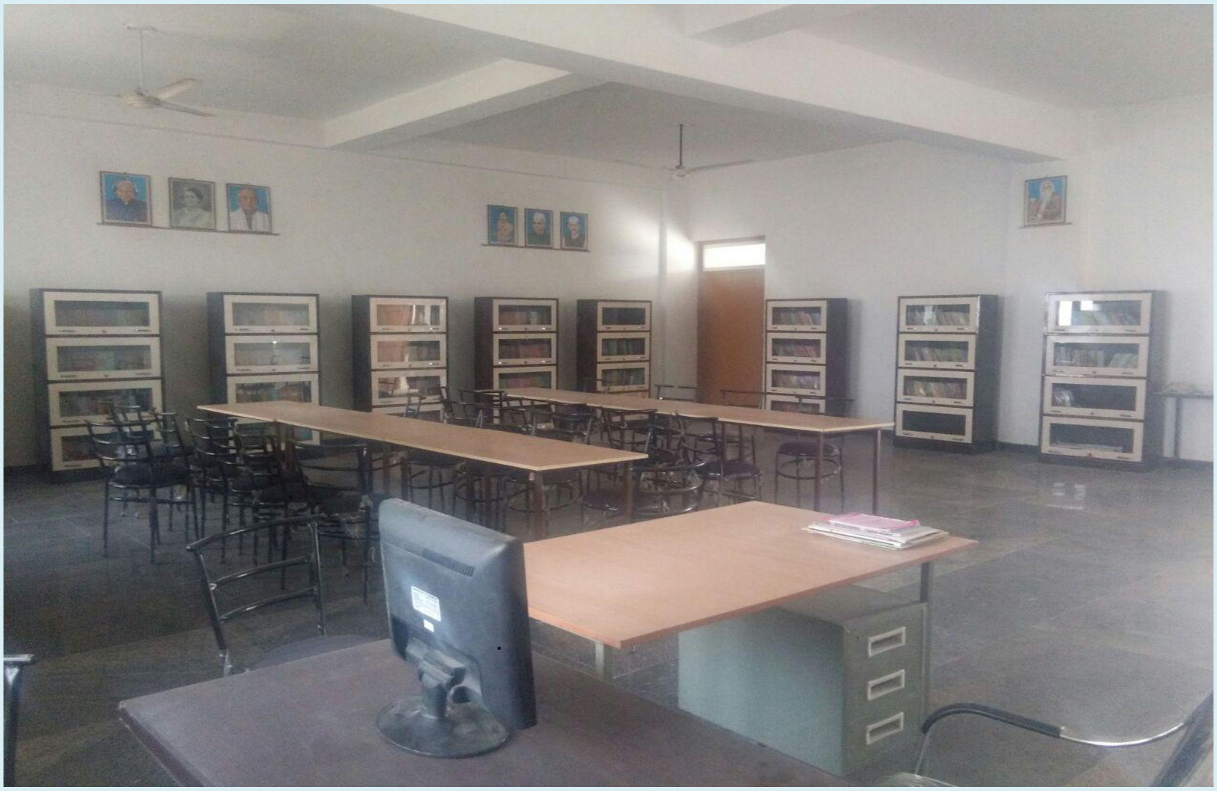

पुस्तकालय कक्ष

महाविद्यालय का खेल मैदान

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्ध है एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में छात्र संख्या एवं उपलब्ध विषय

सत्र 2016–17 से अनवरत संचालित महाविद्यालय में सत्र 2017–18 में 45 छात्रायें विभिन्न विषयों मे नामांकित हुई। वर्तमान सत्र में अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य, गृहविज्ञान एवं भूगोल विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है।

विषयवार प्रविष्ठ छात्राओं का विवरण– सत्र 2017–18

कला वर्ग

क्र.सं	विषय	नामांकित छात्रायें			योग
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	राजनीति विज्ञान	26	13		39
2	भूगोल	22	04		26
3	इतिहास	14	11		25
4	समाज शास्त्र	01	00		01
5	अर्थशास्त्र	00	00		00
6	अंग्रजी साहित्य	00	00		00
7	हिन्दी साहित्य	25	12		37
8	गृहविज्ञान	00	00		00
9	संस्कृत साहित्य	01	02		03
10	दर्शनशास्त्र	00	00		00
11	मनोविज्ञान	00	00		00
12	लोकप्रशासन	00	00		00

महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियो का प्रत्यक्ष बखान करते हैं। गतवर्षो की विश्वविद्यालयी परीक्षा का परिणाम सर्वोत्तम रहा।

सत्र 2017–18 में आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का ब्यौराः–

सत्र 2017–18 में महाविद्यालय में निम्नांकित शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

➢ प्रवेशोत्सवः–

महाविद्यालय मे दिनांक 07 जुलाई 2017 को नवागन्तुक छात्राओ का प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ. बी. एल. देवन्दा एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शिल्पा गोयल ने मय स्टॉफ श्री गणेश एवं मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रवेश कार्य प्रारम्भ किया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा इस अवसर पर समस्त छात्राओं का तिलक लगाकर व मौली बाँधकर स्वागत किया गया, एवं सभी छात्राओं के लिए जलपान एवं मिठाई की व्यवस्था की गई। सत्र के प्रथम तीन दिवसों मे छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए तथा उनके ज्ञान स्तर मे वृद्धि करने के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा अपने–अपने विषयों की सामान्य जानकारी दी गई। छात्राओं से सामान्य परिचय लिया गया एवं कक्षागत शिक्षण का शुभारंभ किया गया।

सीनियर छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक करते हुए

07 जुलाई 2017 को संस्था के अध्यक्ष, सचिव,प्रभारी तथा प्राचार्या द्वारा माँ शारदा के श्री चरणों को दीप शिखा की ज्योति एवं धूप–गन्ध से विभूशित किया। ये हमारी भारतीय संस्कृति की अर्चना रही है। तत्पश्चात् छात्राओं को तिलकार्चन कर विधि पूर्वक उद्घाटन किया। छात्राओं की संख्या 45 है।

प्राचार्या के साथ में सीनियर व नवआगुन्तक छात्राऍं

➤ मेंहदी प्रतियोगिताः–

हमारी प्राचीन संस्कृति की एक शाश्वत् सनातन परम्परा रही है। अपने रीति–रिवाजों का मनोयोग से निर्वाह करना। राजस्थान में मेंहदी का अपना एक विशिष्ट ही स्थान है, जो पूरे देश क्या विश्व में प्रसिद्ध है। उस प्रान्त की हिना का ही रंग है जो कर–स्पर्श कर ले बस हिना लगने से पूर्व ही अपना रंग दिखा देती है। इसी के अन्तर्गत संस्था की बालिकाओं द्वारा 4 अगस्त 2017 को 'मेंहदी–प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रसन्नता की बात है कि इसी कलात्मक प्रतियोगिता से संस्था के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 'श्री गणेश' हुआ।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे–विजयलक्ष्मी(व्याख्याता हिन्दी) डॉ. सतीश अग्रवाल (व्याख्याता राज0 विज्ञान) एवं शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) मेंहदी प्रतियोगिता में विजयी रहीं–परवीना बानो–प्रथम, तारा शर्मा–द्वितीय, पूजा कुमावत–तृतीय।

मेंहदी प्रतियोगिता

➢ स्वतन्त्रता–दिवसः–

15 अगस्त 2017 को संस्था का द्वितीय 'राष्ट्रीय पर्व' 'स्वतन्त्रता–दिवस' मनाया गया। ध्वजारोहण प्रभारी रमेश जी तथा प्राचार्या डॉ. शिल्पा गोयल ने किया। छात्राओं ने उमंग, उत्साह से राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करते हुये तथा ध्वज को नमन करते हुये राष्ट्रगान गाया।

➢ हरियालो राजस्थानः–

इसी राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पन्न किया गया तथा वृक्षों को हरा–भरा रखने की शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ पौधारोपण करते हुए।

➢ शिक्षक–दिवसः–

5 सितम्बर 2017 'शिक्षक–दिवस' के रूप में महाविद्यालय में आयोजित किया गया। क्यों 5 सितम्बर 'शिक्षक–दिवस के रूप में मनाया जाता है यह जानकारी छात्राओं को दी गई।

शिक्षक–दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (भूतपूर्व तथा दूसरे राष्ट्रपति) के जन्म–दिवस को 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है–कारण कि एक बार जब वो अमेरिका में अध्यापक थें तो विद्यार्थीयों ने उनका जन्म–दिन मनाने की बात कहीं तब उन्होंने कहा कि ''ठीक है मेरा जन्म–दिन मनाओं पर 'शिक्षक–दिवस' के रूप में। तभीसे 5 सितम्बर को उनका जन्म–दिन 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है। छात्राओं ने उस दिन शिक्षकों को श्रीफल तथा उपहार देकर सम्मान किया।

➢ हिन्दी–दिवसः–

14 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में 'हिन्दी–दिवस' का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 1949 को राष्ट्रभाषा समिति वर्धा के अनुरोध पर मनाया जाता है। इसी दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की'राज–भाषा' होगी।

➢ गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्तीः–

2 अक्टूबर 2017 को 'गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्ती' का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रभारी रमेश जी, प्राचार्या डॉ. शिल्पा गोयल तथा अन्य व्याख्याताओं ने दोनों महापुरूषों के जीवन पर प्रकाश डाला। गॉधी जी के शब्दों में ''मैं दिमाग की खिड़की खुली रखना चाहता हूँ ताकि ताजी हवा आती रहे, पर अपने धरातल को नहीं छोड़ना चाहता। ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर बहुत पवित्र है, इसलिये खिड़की खुली रखना चाहता हूँ। उनका कहना था कि ''ज्ञान जहॉं से भी मिले उसे स्वीकार करो। लाल बहादुर शास्त्री जी ने देश के नाम संदेश में कहा कि ''देश का हर इन्सान सोमवार का व्रत रखे तो हमारे देश में अन्न की बचत हो सकती ''। शास्त्री जी ने ताश्कन्द समझौता ऐसा हल किया कि देश को निहाल कर गये। एक नारा 'अमन' था एक का 'जय–जवान, जय–किसान।' देश सदा ही याद रखेगा कि ''आज के दिन दो फूल खिले थे जिनसे महका हिन्दुस्तान''।

17 अक्टूबर 2017 से 22 अक्टूबर 2017 तक दीपावली का अवकाश रहा। अवकाश से एक दिन पूर्व संस्था के परिवार के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई देकर शुभकामनायें दीं। 24 दिसम्बर 2017 से 1 जनवरी 2018 तक शीतकालीन अवकाश रहा।

➢ गरबा प्रतियोगिताः—

16 अक्टुबर 2017 को ही गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, शिवराज सिंह राठौड, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, मोहन लाल प्रजापत। इस प्रतियोगिता में दुर्गा ग्रुप में मेघना, मंजू प्रथम स्थान, सरस्वती ग्रुप में सोनू सैनी ने द्वितीय स्थान व कात्यानी ग्रुप में पुजा कंवर व परमेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।